Chapter 5 : प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्य जीवन

रिक्त स्थान भरें

1. \_\_\_\_\_\_\_\_ विश्व का सबसे बड़ा उष्णकटिबंधीय वर्षावन है।

उत्तर: अमेज़न वर्षावन

2. \_\_\_\_\_\_\_\_ वनस्पति उच्च वर्षा और घने वृक्ष आवरण वाले क्षेत्रों में पाई जाती है।

उत्तर: उष्णकटिबंधीय

3. भारत में \_\_\_\_\_\_\_\_ क्षेत्र अपने सदाबहार वनों के लिए जाना जाता है।

उत्तर: पश्चिमी घाट

4. \_\_\_\_\_\_\_\_ एक विशिष्ट प्रकार की वनस्पति है जो समुद्र तट के किनारे नमकीन परिस्थितियों में उगती है।

उत्तर: मैंग्रोव

5. \_\_\_\_\_\_\_\_ रेगिस्तान में चरम स्थितियों के अनुकूल विरल वनस्पति है।

उत्तर: थार

6. \_\_\_\_\_\_\_\_ पेड़ जल संरक्षण के लिए शुष्क मौसम के दौरान अपने पत्ते गिरा देते हैं।

उत्तर: पर्णपाती

7. \_\_\_\_\_\_\_\_ प्रकार के वन आमतौर पर मध्यम वर्षा वाले समशीतोष्ण क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

उत्तर: शीतोष्ण

8. भारत में, \_\_\_\_\_\_\_\_ दक्कन के पठार में पाई जाने वाली घास की वनस्पति का एक सामान्य प्रकार है।

उत्तर: सवाना

9. भारत के \_\_\_\_\_\_\_\_ वन की विशेषता बांस और घास प्रजातियों का उच्च घनत्व है।

उत्तर: बांस

10. \_\_\_\_\_\_\_\_ शब्द उन वनों के लिए प्रयोग किया जाता है जो ऊंचे स्थानों पर शंकुधारी वृक्षों के साथ पाए जाते हैं।

उत्तर: मोंटाने

11. \_\_\_\_\_\_\_\_ भारत के उत्तर पूर्व में स्थित एक बड़ा आर्द्रभूमि क्षेत्र है।

उत्तर: काजीरंगा

12. \_\_\_\_\_\_\_\_ किसी क्षेत्र में पाई जाने वाली वनस्पति के प्रकार को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है।

उत्तर: जलवायु

13. \_\_\_\_\_\_\_\_ वन अपनी विविध प्रकार की दृढ़ लकड़ी के पेड़ों और समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है।

उत्तर: उष्णकटिबंधीय वर्षावन

14. भूमध्यसागरीय क्षेत्र में, \_\_\_\_\_\_\_\_ वनस्पति शुष्क ग्रीष्मकाल और गीली सर्दियों के लिए अनुकूलित है।

उत्तर: चैपरल

15. \_\_\_\_\_\_\_\_ एक प्रकार की वनस्पति है जो कम पानी वाली शुष्क, रेगिस्तानी परिस्थितियों में पनपती है।

उत्तर: जीरोफाइट

16. \_\_\_\_\_\_\_\_ हिमालय में पाया जाने वाला मुख्य प्रकार का वन है।

उत्तर: शंकुधारी

17. \_\_\_\_\_\_\_\_ भारत में आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र का एक उदाहरण है।

उत्तर: सुंदरवन

18. अफ्रीका में \_\_\_\_\_\_\_\_ वनस्पति प्रकार में बबूल के पेड़ और सवाना शामिल हैं।

उत्तर: सहेलियन

19. \_\_\_\_\_\_\_\_ वृक्ष अमेज़न वर्षावन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उत्तर: महोगनी

20. \_\_\_\_\_\_\_\_ उत्तरी गोलार्ध के ठंडे जलवायु में पाए जाने वाले वनों के लिए शब्द है।

उत्तर: बोरियल

21. भारत में, \_\_\_\_\_\_\_\_ वन अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पाए जाते हैं।

उत्तर: उष्णकटिबंधीय सदाबहार

22. \_\_\_\_\_\_\_\_\_ किसी विशेष क्षेत्र में पौधों और जानवरों की विभिन्न प्रजातियों के बीच परस्पर क्रिया को संदर्भित करता है।

उत्तर: पारिस्थितिकी तंत्र

23. \_\_\_\_\_\_\_\_ पेड़ सामान्यतः उष्णकटिबंधीय शुष्क वनों में पाए जाते हैं।

उत्तर: बाओबाब

24. \_\_\_\_\_\_\_\_ क्षेत्र अपनी चरम स्थितियों के अनुकूल अद्वितीय प्रजातियों के लिए जाने जाते हैं।

उत्तर: रेगिस्तान

25. \_\_\_\_\_\_\_\_ शब्द का प्रयोग दो विभिन्न वनस्पति प्रकारों के बीच संक्रमण क्षेत्र का वर्णन करने के लिए किया जाता है।

उत्तर: इकोटोन

**निम्नलिखित का मिलान करें**

**सत्य या असत्य (स्पष्टीकरण सहित)**

1. उष्णकटिबंधीय वर्षावनों की विशेषता कम जैव विविधता है।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: गलत

व्याख्या: उष्णकटिबंधीय वर्षावनों में उनके जटिल पारिस्थितिक तंत्र और अनुकूल जलवायु के कारण उच्च जैव विविधता होती है।

2. मैंग्रोव मीठे पानी के वातावरण में पाए जाते हैं।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: गलत

व्याख्या: मैंग्रोव खारे तटीय क्षेत्रों और नदियों के मुहाने पर पाए जाते हैं।

3. पर्णपाती वनों में ऐसे वृक्ष होते हैं जो प्रतिवर्ष अपने पत्ते गिरा देते हैं।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: सत्य

व्याख्या: पर्णपाती वृक्ष शुष्क मौसम के दौरान जल संरक्षण के लिए अपने पत्ते गिरा देते हैं।

4. सहारा रेगिस्तान में हरी-भरी वनस्पतियां और प्रचुर वन्य जीवन है।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: गलत

व्याख्या: सहारा रेगिस्तान में अत्यधिक शुष्क परिस्थितियों के कारण वनस्पति विरल है और वन्य जीवन सीमित है।

5. चैपरल बायोम की विशेषता शुष्क, गर्म ग्रीष्मकाल और हल्की, गीली सर्दियाँ हैं।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: सत्य

स्पष्टीकरण: चैपरल क्षेत्र में इन मौसमी परिस्थितियों के साथ भूमध्यसागरीय जलवायु का अनुभव होता है।

6. सवाना वनस्पति वर्ष भर भारी वर्षा वाले क्षेत्रों में पाई जाती है।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: गलत

स्पष्टीकरण: सवाना में वर्षा का मौसमी पैटर्न होता है, जिसमें एक मौसम गीला और दूसरा मौसम सूखा होता है।

7. शंकुधारी वन उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: गलत

व्याख्या: शंकुधारी वन आमतौर पर समशीतोष्ण और बोरियल क्षेत्रों में पाए जाते हैं, उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में नहीं।

8. काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान बंगाल बाघों की आबादी के लिए प्रसिद्ध है।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: गलत

व्याख्या: काजीरंगा भारतीय एक सींग वाले गैंडों की आबादी के लिए प्रसिद्ध है।

9. अमेज़न वर्षावन में बांस के जंगल आम हैं।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: गलत

व्याख्या: बांस के जंगल दक्षिण पूर्व एशिया में अधिक पाए जाते हैं, हालांकि कुछ बांस की प्रजातियाँ अमेज़न में भी पाई जा सकती हैं।

10. रेगिस्तानी वनस्पति प्रायः शुष्कजीवी होती है, जो जल संरक्षण के लिए अनुकूलित होती है।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: सत्य

व्याख्या: मरूद्भिद जल संरक्षण द्वारा शुष्क परिस्थितियों के अनुकूल बन जाते हैं।

11. सदाबहार वन ऋतु के अनुसार अपने पत्ते गिरा देते हैं।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: गलत

व्याख्या: सदाबहार वन वर्ष भर अपनी पत्तियाँ बरकरार रखते हैं।

12. थार रेगिस्तान उत्तरी भारत में स्थित है।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: सत्य

व्याख्या: थार रेगिस्तान उत्तर-पश्चिमी भारत और पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में स्थित है।

13. शीतोष्ण कटिबंधीय वनों में उष्णकटिबंधीय दृढ़ लकड़ी वाले वृक्षों का घनत्व अधिक होता है।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: गलत

व्याख्या: शीतोष्ण कटिबंधीय वनों में उष्णकटिबंधीय दृढ़ लकड़ी की तुलना में पेड़ों का एक अलग मिश्रण होता है, जिसमें ओक और मेपल जैसी प्रजातियां शामिल हैं।

14. सुंदरवन भारत में पाया जाने वाला एक प्रकार का घास का मैदान है।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: गलत

व्याख्या: सुंदरवन एक मैंग्रोव वन है, घास का मैदान नहीं।

15. जीरोफाइट्स सामान्यतः उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: गलत

व्याख्या: जीरोफाइट्स शुष्क वातावरण के लिए अनुकूलित होते हैं, विशेष रूप से उच्च ऊंचाई के लिए नहीं।

16. पर्वतीय वनों की विशेषता उष्णकटिबंधीय वृक्षों का उच्च घनत्व है।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: गलत

व्याख्या: पर्वतीय वन उच्च ऊंचाई पर पाए जाते हैं और आमतौर पर शंकुधारी या समशीतोष्ण होते हैं।

17. दक्कन का पठार अपने घने सदाबहार वनों के लिए जाना जाता है।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: गलत

व्याख्या: दक्कन के पठार में अधिकतर शुष्क पर्णपाती वन और घास के मैदान हैं।

18. पारिस्थितिक तंत्र को जीवित जीवों और उनके पर्यावरण के बीच अंतःक्रिया द्वारा परिभाषित किया जाता है।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: सत्य

व्याख्या: पारिस्थितिक तंत्र जैविक (जीवित) और अजैविक (निर्जीव) घटकों के बीच जटिल अंतःक्रियाएं हैं।

19. उष्णकटिबंधीय शुष्क वनों में वर्ष भर वर्षा का स्तर एक समान रहता है।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: गलत

व्याख्या: उष्णकटिबंधीय शुष्क वनों में अनियमित वर्षा के साथ शुष्क मौसम होता है।

20. पश्चिमी घाट अपने विस्तृत मैंग्रोव वनों के लिए जाने जाते हैं।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: गलत

व्याख्या: पश्चिमी घाट अपने उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों के लिए जाने जाते हैं, मैंग्रोव के लिए नहीं।

21. बोरियल वन को टैगा के नाम से भी जाना जाता है।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: सत्य

व्याख्या: बोरियल वन को सामान्यतः टैगा कहा जाता है।

22. पर्णपाती वन अत्यधिक तापमान वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: गलत

व्याख्या: पर्णपाती वन आमतौर पर मध्यम जलवायु वाले समशीतोष्ण क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

23. अमेज़न वर्षावन अफ्रीका में स्थित है।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: गलत

व्याख्या: अमेज़न वर्षावन दक्षिण अमेरिका, मुख्यतः ब्राज़ील में स्थित है।

24. आर्द्रभूमि की विशेषता उनकी मिट्टी की उच्च लवणता है।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: गलत

व्याख्या: आर्द्रभूमि में आमतौर पर पानी का स्तर अधिक होता है, लवणता नहीं।

25. आर्कटिक क्षेत्र में व्यापक उष्णकटिबंधीय वर्षावन वनस्पति है।

सच्चा

बी) झूठ

उत्तर: गलत

व्याख्या: आर्कटिक क्षेत्र में टुंड्रा वनस्पति है, उष्णकटिबंधीय वर्षावन नहीं।

**लघु उत्तरीय प्रश्न**

1. उष्णकटिबंधीय वर्षावनों की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

उत्तर: उष्णकटिबंधीय वर्षावनों की विशेषता उच्च जैव विविधता, घने वृक्ष आवरण, वर्ष भर उच्च वर्षा और गर्म जलवायु है।

2. रेगिस्तानी क्षेत्रों में पाए जाने वाले पौधों की अनुकूलन विशेषताओं का वर्णन करें।

उत्तर: रेगिस्तानी पौधों, जैसे कि कैक्टस, में पानी की हानि को कम करने के लिए मोटी, मोमी खाल, भूमिगत जल तक पहुंच के लिए गहरी जड़ प्रणाली, तथा वाष्पोत्सर्जन को न्यूनतम करने के लिए पत्तियों की छोटी सतह जैसे अनुकूलन होते हैं।

3. तटीय क्षेत्रों में मैंग्रोव का क्या महत्व है?

उत्तर: मैंग्रोव तटीय क्षेत्रों को कटाव से बचाते हैं, विभिन्न प्रजातियों के लिए आवास प्रदान करते हैं, तथा नदी-मुहानी के वातावरण में पोषक चक्रण में सहायता करते हैं।

4. मौसमी परिवर्तन पर्णपाती वनों को कैसे प्रभावित करते हैं?

उत्तर: पर्णपाती जंगलों में पेड़ सर्दियों के दौरान पानी और ऊर्जा बचाने के लिए पतझड़ में अपने पत्ते गिरा देते हैं। वे वसंत में नए पत्ते उगाते हैं।

5. शीतोष्ण कटिबंधीय वन को उष्णकटिबंधीय वर्षावन से क्या अलग करता है?

उत्तर: शीतोष्ण कटिबंधीय वनों में मध्यम वर्षा होती है और सर्दियाँ ठंडी होती हैं, जिसमें मौसमी परिवर्तन भी शामिल हैं। उष्णकटिबंधीय वर्षावनों में पूरे वर्ष उच्च वर्षा होती है और मौसमी तापमान में न्यूनतम परिवर्तन होता है।

6. 'जीरोफाइट' शब्द की व्याख्या कीजिए तथा एक उदाहरण दीजिए।

उत्तर: ज़ेरोफाइट एक ऐसा पौधा है जो शुष्क परिस्थितियों में जीवित रहने के लिए अनुकूलित होता है। उदाहरणों में कैक्टस और रसीले पौधे शामिल हैं।

7. इकोटोन क्या है और यह महत्वपूर्ण क्यों है?

उत्तर: इकोटोन दो अलग-अलग पारिस्थितिकी प्रणालियों के बीच एक संक्रमणकालीन क्षेत्र है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें अक्सर उच्च जैव विविधता होती है और यह बफर ज़ोन के रूप में कार्य करता है, जो विभिन्न प्रजातियों के लिए आवास और संसाधन प्रदान करता है।

8. भारत के एक प्रमुख आर्द्रभूमि क्षेत्र का नाम और वर्णन बताइए।

उत्तर: सुंदरवन भारत का एक प्रमुख आर्द्रभूमि क्षेत्र है, जो अपने मैंग्रोव वनों और बंगाल टाइगर सहित समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है।

9. वैश्विक पर्यावरण में बोरियल वन क्या भूमिका निभाते हैं?

उत्तर: बोरियल वन, या टैगा, कार्बन भंडारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, वैश्विक तापमान को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, और कई प्रजातियों के लिए आवास प्रदान करते हैं।

10. सवाना में आमतौर पर पाई जाने वाली वनस्पति का वर्णन करें।

उत्तर: सवाना में घास के मैदानों और बिखरे पेड़ों का मिश्रण होता है, जो विशिष्ट आर्द्र और शुष्क अवधि के साथ मौसमी वर्षा के अनुकूल होता है।

11. चैपरल पारिस्थितिकी तंत्र अपनी जलवायु के अनुकूल कैसे ढलते हैं?

उत्तर: चैपरल पारिस्थितिकी तंत्र गर्म, शुष्क ग्रीष्मकाल और हल्की, गीली सर्दियों के लिए अनुकूल है। यहाँ के पौधों में अक्सर छोटे, मोमी पत्ते जैसी सूखा-प्रतिरोधी विशेषताएँ होती हैं।

12. पर्वतीय वन की प्राथमिक विशेषताएँ क्या हैं?

उत्तर: पर्वतीय वन उच्च ऊंचाई पर पाए जाते हैं और इनकी विशेषता ठंडे तापमान, शंकुधारी वृक्ष और प्रायः शीतोष्ण और अल्पाइन वनस्पति का मिश्रण होता है।

13. उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों की वनस्पति निचले क्षेत्रों की वनस्पति से किस प्रकार भिन्न होती है?

उत्तर: उच्च-ऊंचाई वाली वनस्पतियाँ ठंडे तापमान, बढ़ी हुई धूप और अक्सर कठोर परिस्थितियों के अनुकूल होती हैं, जिनमें शंकुधारी और अल्पाइन पौधे जैसी प्रजातियाँ शामिल हैं। निचले इलाकों की वनस्पतियों में आम तौर पर अधिक विविध प्रजातियाँ शामिल होती हैं जो गर्म और अधिक स्थिर जलवायु के अनुकूल होती हैं।

14. उष्णकटिबंधीय वर्षावनों में जैव विविधता क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर: उष्णकटिबंधीय वर्षावनों में जैव विविधता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता, लचीलापन को बनाए रखती है, तथा परागण, जलवायु विनियमन और पोषक चक्रण जैसी विभिन्न पारिस्थितिक सेवाएं प्रदान करती है।

15. मानवीय गतिविधियों का मैंग्रोव वनों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर: वनों की कटाई, तटीय विकास और प्रदूषण जैसी मानवीय गतिविधियाँ आवासों को नष्ट करके, जैव विविधता को कम करके और तटीय संरक्षण कार्यों को प्रभावित करके मैंग्रोव वनों पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं।

16. शुष्क वातावरण में मरूद्भिद जल का संरक्षण कैसे करते हैं?

उत्तर: मरूद्भिद पत्तियों पर मोटी, मोमी परत, गहरी जड़ प्रणाली और जल-भंडारण ऊतकों जैसे अनुकूलन के माध्यम से जल का संरक्षण करते हैं।

17. दक्कन के पठार में वनस्पति का मुख्य प्रकार क्या है?

उत्तर: दक्कन के पठार में मुख्य रूप से शुष्क पर्णपाती वन और घास के मैदान हैं।

18. 'जैव विविधता हॉटस्पॉट' शब्द की व्याख्या करें और एक उदाहरण दें।

उत्तर: जैव विविधता हॉटस्पॉट वह क्षेत्र है जहाँ स्थानिक प्रजातियों की संख्या बहुत अधिक है और जो मानवीय गतिविधियों के कारण भी खतरे में है। इसका एक उदाहरण भारत में पश्चिमी घाट है।

19. वन्यजीवों को सहारा देने में आर्द्रभूमि की भूमिका का वर्णन करें।

उत्तर: आर्द्रभूमि पक्षियों, मछलियों और उभयचरों सहित कई प्रकार के वन्यजीवों के लिए महत्वपूर्ण आवास प्रदान करती है। वे प्रजनन के मैदान, खाद्य संसाधन और आश्रय प्रदान करते हैं।

20. समशीतोष्ण वनों के पारिस्थितिक लाभ क्या हैं?

उत्तर: शीतोष्ण वन कार्बन अवशोषण में मदद करते हैं, विविध प्रजातियों के लिए आवास प्रदान करते हैं, तथा पर्यावरण में जल और पोषक चक्र को बनाए रखते हैं।

21. उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वृक्ष उष्णकटिबंधीय सदाबहार वृक्षों से किस प्रकार भिन्न हैं?

उत्तर: उष्णकटिबंधीय पर्णपाती पेड़ शुष्क मौसम के दौरान अपने पत्ते गिरा देते हैं, जबकि उष्णकटिबंधीय सदाबहार पेड़ साल भर अपने पत्ते बरकरार रखते हैं।

22. आर्कटिक टुंड्रा में सामान्यतः किस प्रकार के पौधे पाए जाते हैं?

उत्तर: आर्कटिक टुंड्रा कम उगने वाले पौधों जैसे काई, लाइकेन और छोटी झाड़ियों का घर है जो ठंडे, छोटे बढ़ते मौसम के अनुकूल हैं।

23. मौसमी मानसून भारत के पश्चिमी घाट की वनस्पति को कैसे प्रभावित करता है?

उत्तर: मौसमी मानसून पश्चिमी घाटों में भारी वर्षा लाता है, जिससे उच्च जैव विविधता वाले घने सदाबहार वनों को बढ़ावा मिलता है।

24. भूमध्यसागरीय जलवायु में पौधों में आमतौर पर क्या अनुकूलन होते हैं?

उत्तर: भूमध्यसागरीय जलवायु में पौधों में अक्सर छोटे, चमड़े जैसे पत्ते, गहरी जड़ प्रणाली और शुष्क अवधि के दौरान निष्क्रिय रहने की क्षमता जैसे अनुकूलन होते हैं।

25. बोरियल वनों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर चर्चा करें।

उत्तर: जलवायु परिवर्तन से प्रजातियों की संरचना में बदलाव, कीटों और बीमारियों के प्रति संवेदनशीलता में वृद्धि और बोरियल वनों में वन संरचना और कार्य में परिवर्तन हो सकता है। निश्चित रूप से! नीचे महाराष्ट्र एसएससी अंग्रेजी माध्यम कक्षा 10 भूगोल के लिए एक व्यापक अध्ययन मार्गदर्शिका दी गई है, जो प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन पर केंद्रित है।

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

1. भारत में पाई जाने वाली विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक वनस्पतियों का वर्णन करें।

उत्तर: भारत में उष्णकटिबंधीय वर्षावन, समशीतोष्ण वन, शुष्क और अर्ध-शुष्क वनस्पति और अल्पाइन वन सहित प्राकृतिक वनस्पतियों की विविधता है। उष्णकटिबंधीय वर्षावन पश्चिमी घाट, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पूर्वोत्तर भारत में पाए जाते हैं, जिनकी विशेषता घने, सदाबहार पेड़ हैं। समशीतोष्ण वन हिमालय क्षेत्र में पाए जाते हैं, जहाँ वनस्पति ऊँचाई के साथ बदलती है, जिसमें पर्णपाती पेड़ और शंकुधारी पेड़ शामिल हैं। शुष्क और अर्ध-शुष्क वनस्पति, जैसे कांटेदार झाड़ियाँ और घास, राजस्थान जैसे रेगिस्तानी क्षेत्रों में पाई जाती हैं। अल्पाइन वन हिमालय के उच्च ऊँचाई वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं और इनमें शंकुधारी पेड़ और झाड़ियाँ अधिक होती हैं।

2. भारत में वनों की कटाई के वन्यजीवों पर पड़ने वाले प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

उत्तर: वनों की कटाई से आवास का नुकसान होता है, जिसका वन्यजीवों पर बहुत बुरा असर पड़ता है। जैसे-जैसे कृषि, शहरी विकास या कटाई के लिए जंगलों को साफ किया जाता है, जानवर अपने प्राकृतिक आवास खो देते हैं, जिससे भोजन के स्रोत और आश्रय कम हो जाते हैं। इसका परिणाम प्रजातियों की गिरावट या विलुप्ति हो सकता है, जैसा कि बंगाल टाइगर और भारतीय गैंडे के मामले में देखा गया है। इसके अतिरिक्त, वनों की कटाई से पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे मिट्टी का कटाव और जल चक्र में बदलाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जो वन्यजीवों के अस्तित्व को और प्रभावित करती हैं।

3. भारत में राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के महत्व पर चर्चा करें।

उत्तर: राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य भारत में जैव विविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे वनस्पतियों और जीवों की विभिन्न प्रजातियों के लिए संरक्षित क्षेत्र प्रदान करते हैं, जिससे पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। ये क्षेत्र वैज्ञानिक अनुसंधान, पारिस्थितिकी पर्यटन और शिक्षा के अवसर भी प्रदान करते हैं। राष्ट्रीय उद्यान पारिस्थितिकी तंत्र और लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण के लिए स्थापित किए जाते हैं, जबकि वन्यजीव अभयारण्य विशिष्ट वन्यजीव आबादी की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हैं। दोनों प्राकृतिक आवासों के संरक्षण में योगदान करते हैं और संरक्षण प्रयासों का समर्थन करते हैं।

4. पश्चिमी घाट क्षेत्र में मृदा अपरदन के कारणों और परिणामों का विश्लेषण करें।

उत्तर: पश्चिमी घाट में मिट्टी का कटाव मुख्य रूप से वनों की कटाई, कृषि गतिविधियों और निर्माण के कारण होता है। वनस्पति आवरण के हटने से मिट्टी की स्थिरता खत्म हो जाती है और अपवाह बढ़ जाता है। इसके परिणामों में मिट्टी की उर्वरता में कमी, नदियों में तलछट का बढ़ना और स्थानीय जल चक्रों का विघटन शामिल है। इस कटाव से भूस्खलन भी हो सकता है और कृषि उत्पादकता प्रभावित हो सकती है, जिससे स्थानीय समुदायों की आजीविका प्रभावित हो सकती है।

5. भारत में मैंग्रोव वनों की विशेषताओं और वितरण का वर्णन करें।

उत्तर: मैंग्रोव वन खारे पानी वाले क्षेत्रों में पाए जाने वाले तटीय पारिस्थितिकी तंत्र हैं, जिनकी विशेषता नमक-सहिष्णु पेड़ और झाड़ियाँ हैं। वे गंगा, ब्रह्मपुत्र और गोदावरी जैसी प्रमुख नदियों के डेल्टा क्षेत्रों में और साथ ही आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के सुंदरबन के तटों पर स्थित हैं। मैंग्रोव तटीय क्षेत्रों को कटाव से बचाने, विविध वन्यजीवों का समर्थन करने और स्थानीय समुदायों के लिए संसाधन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

6. भारत में प्राकृतिक वनस्पति के वितरण को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक क्या हैं?

उत्तर: भारत में प्राकृतिक वनस्पति का वितरण जलवायु, मिट्टी के प्रकार, ऊँचाई और स्थलाकृति जैसे कारकों से प्रभावित होता है। जलवायु किसी क्षेत्र में पनपने वाली वनस्पति के प्रकार को निर्धारित करती है, जिसमें आर्द्र क्षेत्रों में उष्णकटिबंधीय वर्षावन और शुष्क क्षेत्रों में ज़ेरोफाइट्स होते हैं। मिट्टी का प्रकार पौधों की वृद्धि को प्रभावित करता है, उपजाऊ मिट्टी घनी वनस्पति को सहारा देती है। ऊँचाई वनस्पति क्षेत्रों को प्रभावित करती है, अलग-अलग ऊँचाई पर अलग-अलग प्रकार की वनस्पतियाँ पाई जाती हैं, और स्थलाकृति जल उपलब्धता और वनस्पति पैटर्न को प्रभावित करती है।

7. भारत में पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में वन्यजीव संरक्षण की भूमिका पर चर्चा करें।

उत्तर: वन्यजीव संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्र में विशिष्ट भूमिका निभाने वाली विभिन्न प्रजातियों के अस्तित्व को सुनिश्चित करके पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। शिकारी शिकार की आबादी को नियंत्रित करते हैं, शाकाहारी पौधे समुदायों को प्रभावित करते हैं, और परागणकर्ता पौधों के प्रजनन में योगदान करते हैं। लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा करना और उनके आवासों को संरक्षित करना इन पारिस्थितिक कार्यों में व्यवधानों को रोकता है, पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और स्वच्छ हवा और पानी जैसी पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के प्रावधान को सुनिश्चित करता है।

8. देशी वन्यजीवों के लिए आक्रामक प्रजातियों के खतरे से निपटने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

उत्तर: आक्रामक प्रजातियों से निपटने के उपायों में उनके प्रसार को रोकने के लिए शीघ्र पहचान और त्वरित प्रतिक्रिया, सख्त संगरोध नियमों को लागू करना और पारिस्थितिकी तंत्र की नियमित निगरानी करना शामिल है। सार्वजनिक शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम भी आक्रामक प्रजातियों के प्रवेश को रोकने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, भौतिक निष्कासन या जैविक नियंत्रण विधियों के माध्यम से आक्रामक प्रजातियों का प्रबंधन और नियंत्रण देशी वन्यजीवों की रक्षा और पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने में मदद कर सकता है।

9. भारत में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के वन क्षेत्र और उनके महत्व का वर्णन करें।

उत्तर: भारत में कई प्रकार के वन हैं, जिनमें उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन, उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन, कांटेदार वन और समशीतोष्ण वन शामिल हैं। पश्चिमी घाट और पूर्वोत्तर भारत में पाए जाने वाले उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन जैव विविधता और जलवायु विनियमन के लिए महत्वपूर्ण हैं। मध्य भारत में पाए जाने वाले उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन, लकड़ी और ईंधन प्रदान करते हैं। शुष्क क्षेत्रों में कांटेदार वन ज़ेरोफाइटिक वनस्पति का समर्थन करते हैं और मिट्टी संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण हैं। हिमालय में समशीतोष्ण वन जल विनियमन में योगदान करते हैं और विविध प्रजातियों का समर्थन करते हैं।

10. भारत में प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की व्याख्या करें।

उत्तर: जलवायु परिवर्तन तापमान और वर्षा के पैटर्न में बदलाव के माध्यम से प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीवों को प्रभावित करता है। जलवायु में बदलाव से वनस्पति क्षेत्रों में परिवर्तन हो सकता है, जैसे कि जंगलों का उच्च ऊंचाई या अक्षांशों की ओर पलायन। वन्यजीवों को आवास के नुकसान, भोजन की उपलब्धता में बदलाव और प्रजनन पैटर्न में बदलाव के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। जो प्रजातियाँ जल्दी से अनुकूलन नहीं कर सकती हैं, उन्हें विलुप्त होने का सामना करना पड़ सकता है, जबकि अन्य आक्रामक हो सकती हैं। कुल मिलाकर, जलवायु परिवर्तन पारिस्थितिक संतुलन को बाधित करता है और जैव विविधता को खतरे में डालता है।

11. भारत में प्रोजेक्ट टाइगर पहल के प्राथमिक उद्देश्य क्या हैं?

उत्तर: 1973 में शुरू की गई परियोजना टाइगर पहल का उद्देश्य बंगाल बाघ और उसके आवास का संरक्षण करना है। प्राथमिक उद्देश्यों में बाघों की आबादी बढ़ाना, उनके प्राकृतिक आवासों की रक्षा करना और बाघों के आवास के पारिस्थितिक संतुलन को सुनिश्चित करना शामिल है। परियोजना संरक्षित क्षेत्रों के निर्माण, अवैध शिकार से निपटने और संरक्षण प्रयासों में स्थानीय समुदायों को शामिल करने पर केंद्रित है। यह बाघों के सामने आने वाले खतरों को समझने और उनका समाधान करने के लिए अनुसंधान और निगरानी को भी बढ़ावा देता है।

12. प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में भारतीय वन अधिनियम की भूमिका पर चर्चा करें।

उत्तर: 1927 में अधिनियमित भारतीय वन अधिनियम वन संसाधनों के विनियमन और उनके संरक्षण के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है। यह अधिनियम सरकार को वन भूमि को नियंत्रित करने, कटाई को विनियमित करने और वन उपज का प्रबंधन करने का अधिकार देता है। यह संरक्षित क्षेत्रों का निर्माण करके और वन संसाधनों का स्थायी प्रबंधन करके वन संरक्षण का आधार भी स्थापित करता है। अधिनियम का उद्देश्य स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं को संरक्षण उद्देश्यों के साथ संतुलित करना है, जिससे वन पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण सुनिश्चित होता है।

13. भारतीय हिमालयी क्षेत्र में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के वन्य जीवों का वर्णन करें।

उत्तर: भारतीय हिमालयी क्षेत्र में विविध प्रकार के वन्यजीव पाए जाते हैं, जिनमें हिम तेंदुआ, हिमालयी ताहर और लाल पांडा शामिल हैं। इस क्षेत्र के विविध आवास विभिन्न ऊंचाई और जलवायु के अनुकूल प्रजातियों का समर्थन करते हैं। हिम तेंदुआ उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पाया जाता है, जबकि हिमालयी ताहर निचले अल्पाइन क्षेत्रों में रहता है। लाल पांडा समशीतोष्ण जंगलों में पाया जाता है। ये प्रजातियाँ अपने पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और संरक्षण प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

14. सुंदरवन मैंग्रोव वन पारिस्थितिकी तंत्र की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं?

उत्तर: सुंदरबन मैंग्रोव वन पारिस्थितिकी तंत्र खारे पानी और लवणीय स्थितियों के साथ अपने अद्वितीय तटीय आवास की विशेषता है। इसमें घने मैंग्रोव वनस्पतियाँ हैं, जिनमें सुंदरी वृक्ष जैसी प्रजातियाँ शामिल हैं, और यह बंगाल टाइगर और विभिन्न पक्षी प्रजातियों सहित वन्यजीवों की एक विविध श्रेणी का समर्थन करता है। पारिस्थितिकी तंत्र कटाव से तटीय सुरक्षा, जलीय जीवन के लिए आवास और स्थानीय समुदायों के लिए संसाधन जैसी महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान करता है। यह अपने पारिस्थितिक महत्व के कारण यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल भी है।

15. भारत में प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन पर शहरीकरण के प्रभावों का विश्लेषण करें।

उत्तर: शहरीकरण के कारण प्राकृतिक परिदृश्य निर्मित वातावरण में बदल जाते हैं, जिससे आवास नष्ट हो जाते हैं और विखंडन होता है। यह हरियाली को कम करके और पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित करके वनस्पति को प्रभावित करता है। वन्यजीवों को आवास के नुकसान, मानव-वन्यजीव संघर्ष में वृद्धि और प्रदूषण के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। शहरीकरण से स्थानीय जलवायु स्थितियों में भी बदलाव हो सकता है, जैसे कि हीट आइलैंड प्रभाव, जो पौधों और जानवरों की प्रजातियों को और अधिक प्रभावित करता है। इन प्रभावों को कम करने के लिए संरक्षण प्रयास और टिकाऊ शहरी नियोजन आवश्यक है।

16. भारत में जैव विविधता के लिए प्रमुख खतरे क्या हैं और उनका समाधान कैसे किया जा सकता है?

उत्तर: भारत में जैव विविधता के लिए प्रमुख खतरों में आवास विनाश, अवैध शिकार, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और आक्रामक प्रजातियाँ शामिल हैं। इन खतरों से निपटने के लिए व्यापक रणनीतियों की आवश्यकता है जैसे वन्यजीव संरक्षण कानूनों को लागू करना, संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना और प्रबंधन करना, प्रदूषण को कम करना और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना। संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी, जन जागरूकता अभियान और वैज्ञानिक अनुसंधान भी भारत की जैव विविधता को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण हैं।

17. भारत में संरक्षण प्रयासों में वन्यजीव गलियारों की भूमिका का वर्णन करें।

उत्तर: वन्यजीव गलियारे निर्दिष्ट क्षेत्र हैं जो विभिन्न संरक्षित आवासों को जोड़ते हैं, जिससे जानवरों को उनके बीच प्रवास करने की अनुमति मिलती है। ये गलियारे आनुवंशिक विविधता को बनाए रखने, मानव-वन्यजीव संघर्षों को कम करने और प्रजातियों को संसाधनों और प्रजनन स्थलों तक पहुँचने में सक्षम बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। वे मानवीय गतिविधियों के कारण होने वाले आवास विखंडन के प्रभावों को कम करने में मदद करते हैं और हाथियों और बाघों जैसी प्रजातियों की आवाजाही का समर्थन करते हैं। सफल संरक्षण प्रयासों के लिए वन्यजीव गलियारों का प्रभावी प्रबंधन आवश्यक है।

18. पारिस्थितिक उत्तराधिकार की अवधारणा और प्राकृतिक वनस्पति के लिए इसकी प्रासंगिकता की व्याख्या करें।

उत्तर: पारिस्थितिक उत्तराधिकार वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से पारिस्थितिकी तंत्र समय के साथ बदलते और विकसित होते हैं। इसकी शुरुआत अग्रणी प्रजातियों द्वारा बंजर या अशांत क्षेत्र में बसने से होती है, उसके बाद मध्यवर्ती प्रजातियाँ आती हैं, और अंततः एक स्थिर चरमोत्कर्ष समुदाय की ओर ले जाती हैं। यह प्रक्रिया प्राकृतिक वनस्पति के लिए प्रासंगिक है क्योंकि यह बताती है कि कैसे पौधे समुदाय विकसित होते हैं और बदलती पर्यावरणीय परिस्थितियों के अनुकूल होते हैं। उत्तराधिकार को समझने से पारिस्थितिकी तंत्र को प्रबंधित करने और पुनर्स्थापित करने में मदद मिलती है, क्योंकि यह इस बात की जानकारी देता है कि गड़बड़ी के बाद वनस्पति कैसे ठीक हो सकती है।

19. आर्द्रभूमि के संरक्षण के महत्व और वन्यजीवों को सहारा देने में उनकी भूमिका पर चर्चा करें।

उत्तर: वेटलैंड्स जैव विविधता संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे पक्षियों, उभयचरों और मछलियों सहित कई प्रजातियों के लिए आवास प्रदान करते हैं। वे प्रदूषकों को छानकर, जल प्रवाह को नियंत्रित करके और बाढ़ को रोककर जल की गुणवत्ता बनाए रखने में भूमिका निभाते हैं। वेटलैंड्स स्टॉपओवर पॉइंट के रूप में काम करके प्रवासी प्रजातियों का भी समर्थन करते हैं। वेटलैंड्स का संरक्षण इन पारिस्थितिक कार्यों और उन पर निर्भर प्रजातियों को संरक्षित करने के लिए महत्वपूर्ण है, जिससे आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र का स्वास्थ्य सुनिश्चित होता है।

20. भारत में एशियाई शेर की विशेषताएँ और संरक्षण स्थिति क्या है?

उत्तर: एशियाई शेर की विशेषता यह है कि यह अफ्रीकी शेर की तुलना में थोड़ा छोटा होता है, इसके पेट पर त्वचा की एक विशिष्ट तह होती है और इसका अयाल कम विकसित होता है। यह केवल भारत के गुजरात में गिर वन राष्ट्रीय उद्यान में पाया जाता है। यह प्रजाति निवास स्थान के नुकसान, अवैध शिकार और मानव-वन्यजीव संघर्ष के कारण गंभीर रूप से संकटग्रस्त है। निवास स्थान की सुरक्षा, अवैध शिकार विरोधी उपायों और सामुदायिक भागीदारी सहित संरक्षण प्रयासों ने जनसंख्या को बढ़ाने में मदद की है, लेकिन इसके अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं।

21. भारत में वन संरक्षण में स्वदेशी समुदायों की भूमिका की व्याख्या करें।

उत्तर: स्वदेशी समुदाय पारंपरिक ज्ञान और संधारणीय प्रथाओं के माध्यम से वन संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भूमि से उनका गहरा जुड़ाव और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र की समझ प्रभावी संरक्षण में योगदान देती है। इन समुदायों को निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में शामिल करने और उनके अधिकारों को मान्यता देने से वन संसाधनों का बेहतर प्रबंधन हो सकता है। संयुक्त वन प्रबंधन (JFM) कार्यक्रम जैसी पहल समुदायों को वन संसाधनों की रक्षा और संधारणीय रूप से उपयोग करने के लिए सशक्त बनाती है, जिससे संरक्षण और स्थानीय आजीविका दोनों को लाभ होता है।

22. वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के मुख्य उद्देश्य क्या हैं?

उत्तर: वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 का उद्देश्य वन्यजीवों और उनके आवासों की रक्षा करना, अवैध शिकार को रोकना और वन्यजीव उत्पादों के व्यापार को विनियमित करना है। इसके मुख्य उद्देश्यों में राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों जैसे संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना करना, लुप्तप्राय प्रजातियों के लिए कानूनी सुरक्षा प्रदान करना और वन्यजीव संसाधनों के प्रबंधन और संरक्षण के लिए एक रूपरेखा तैयार करना शामिल है। अधिनियम में वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो की स्थापना और जनता के बीच संरक्षण जागरूकता को बढ़ावा देना भी शामिल है।

23. भारत में जैव विविधता हॉटस्पॉट के महत्व पर चर्चा करें।

उत्तर: जैव विविधता हॉटस्पॉट ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ प्रजातियों की समृद्धि और स्थानिकता का असाधारण उच्च स्तर है, जो मानवीय गतिविधियों से भी महत्वपूर्ण खतरे में हैं। भारत में, पश्चिमी घाट और पूर्वी हिमालय जैसे हॉटस्पॉट वैश्विक जैव विविधता संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण हैं। वे पौधों और जानवरों की कई प्रजातियों का पोषण करते हैं, जिनमें से कई कहीं और नहीं पाई जाती हैं। वैश्विक जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने के लिए इन हॉटस्पॉट की सुरक्षा करना महत्वपूर्ण है।

24. भारत में उष्णकटिबंधीय वर्षावनों की वृद्धि को प्रभावित करने वाले प्राथमिक कारक क्या हैं?

उत्तर: भारत में उष्णकटिबंधीय वर्षावनों की वृद्धि मुख्य रूप से उच्च वर्षा, स्थिर तापमान और उच्च आर्द्रता जैसे कारकों से प्रभावित होती है। ये वन 2000 मिमी से अधिक वार्षिक वर्षा और 25 डिग्री सेल्सियस से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच के तापमान वाले क्षेत्रों में पनपते हैं। मिट्टी की उर्वरता और मौसमी सूखे की अनुपस्थिति भी उष्णकटिबंधीय वर्षावनों की विशेषता वाली रसीली, घनी वनस्पति में योगदान करती है। इन स्थितियों में कोई भी व्यवधान इन वनों के स्वास्थ्य और विकास को प्रभावित कर सकता है।

25. भारत में वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा देने में संरक्षण शिक्षा की भूमिका का विश्लेषण करें।

उत्तर: संरक्षण शिक्षा जैव विविधता के महत्व और वन्यजीवों के सामने आने वाले खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह लोगों को संरक्षण प्रयासों, जिम्मेदार व्यवहार और प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा के महत्व के बारे में सूचित करने में मदद करती है। स्कूलों, समुदायों और मीडिया अभियानों के माध्यम से शैक्षिक कार्यक्रम संरक्षण गतिविधियों में भागीदारी को प्रोत्साहित करते हैं, जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देते हैं और वन्यजीव संरक्षण के लिए नीति वकालत का समर्थन करते हैं।

**व्याख्या सहित बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ)**

1. निम्नलिखित में से कौन उष्णकटिबंधीय वर्षावनों की विशेषता है?

क) मौसमी वर्षा

बी) उच्च आर्द्रता

ग) कम जैव विविधता

घ) विरल वनस्पति

उत्तर: उच्च आर्द्रता

व्याख्या: उष्णकटिबंधीय वर्षावनों की विशेषता उच्च आर्द्रता, लगातार उच्च तापमान और उच्च जैव विविधता है। इनमें मौसमी वर्षा नहीं होती है; इसके बजाय, पूरे वर्ष बारिश होती है।

2. मैंग्रोव वनों का प्राथमिक कार्य है:

क) कार्बन सिंक के रूप में कार्य करना

ख) लकड़ी के संसाधन उपलब्ध कराना

ग) तटीय क्षेत्रों को कटाव से बचाना

घ) कृषि उत्पादकता में वृद्धि

उत्तर: तटीय क्षेत्रों को कटाव से बचाना

व्याख्या: मैंग्रोव वन तटीय क्षेत्रों को कटाव से बचाने, तूफानी लहरों के विरुद्ध प्रतिरोधक के रूप में कार्य करने और ज्वारीय तरंगों के प्रभाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

3. कौन सा वन्यजीव अभयारण्य एशियाई शेर के संरक्षण के लिए जाना जाता है?

a) रणथंभौर

बी) जिम कॉर्बेट

ग) गिर वन

d) पेरियार

उत्तर: गिर वन

व्याख्या: गुजरात में गिर वन राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य विशेष रूप से एशियाई शेर के संरक्षण के लिए जाना जाता है।

4. पश्चिमी घाट में वन्यजीवों के लिए मुख्य खतरा क्या है?

क) अतिचारण

ख) वनों की कटाई

ग) मरुस्थलीकरण

घ) मृदा अपरदन

उत्तर: वनों की कटाई

व्याख्या: वनों की कटाई पश्चिमी घाट में वन्यजीवों के लिए प्राथमिक खतरा है, जिसके कारण आवास का नुकसान और विखंडन हो रहा है।

5. निम्नलिखित में से कौन भारत में वन्यजीवों के लिए संरक्षित क्षेत्र का उदाहरण है?

क) डेजर्ट नेशनल पार्क

बी) राष्ट्रीय थर्मल पावर कॉर्पोरेशन

ग) केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

d) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

उत्तर: डेजर्ट नेशनल पार्क

व्याख्या: डेजर्ट नेशनल पार्क वन्यजीवों और उनके आवासों के संरक्षण के लिए नामित संरक्षित क्षेत्र का एक उदाहरण है।

6. हिमालय क्षेत्र में सामान्यतः किस प्रकार के वन पाए जाते हैं?

क) उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन

ख) उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन

ग) शीतोष्ण वन

घ) कांटेदार जंगल

उत्तर: शीतोष्ण वन

व्याख्या: शीतोष्ण वन सामान्यतः हिमालय क्षेत्र में पाए जाते हैं, जिनमें शंकुधारी और चौड़ी पत्ती वाले वृक्ष पाए जाते हैं।

7. सुंदरवन अपने लिए प्रसिद्ध है:

क) उष्णकटिबंधीय वर्षावन

ख) मैंग्रोव वन

ग) अल्पाइन घास के मैदान

घ) रेगिस्तानी वनस्पति

उत्तर: मैंग्रोव वन

व्याख्या: सुंदरवन अपने मैंग्रोव वनों के लिए प्रसिद्ध हैं, जो अद्वितीय तटीय पारिस्थितिकी तंत्र हैं।

8. पर्वतीय क्षेत्रों में मृदा अपरदन का महत्वपूर्ण प्रभाव क्या है?

क) कृषि उत्पादकता में वृद्धि

ख) जैव विविधता में वृद्धि

ग) भूस्खलन

घ) पानी की गुणवत्ता में कमी

उत्तर: भूस्खलन

व्याख्या: पहाड़ी क्षेत्रों में मृदा अपरदन से अक्सर भूस्खलन होता है, जिसका पर्यावरण और मानव बस्तियों दोनों पर विनाशकारी प्रभाव हो सकता है।

9. कौन सी संरक्षण परियोजना भारत में बाघों की आबादी पर केंद्रित है?

a) प्रोजेक्ट एलीफेंट

बी) प्रोजेक्ट राइनो

c) प्रोजेक्ट टाइगर

d) प्रोजेक्ट वल्चर

उत्तर: प्रोजेक्ट टाइगर

व्याख्या: प्रोजेक्ट टाइगर विशेष रूप से भारत में बाघों और उनके आवासों के संरक्षण पर केंद्रित है।

10. निम्नलिखित में से कौन भारत में प्राकृतिक वनस्पति का प्रकार नहीं है?

क) उष्णकटिबंधीय वर्षावन

ख) रेगिस्तानी वनस्पति

ग) आर्कटिक टुंड्रा

घ) कांटेदार जंगल

उत्तर: आर्कटिक टुंड्रा

व्याख्या: आर्कटिक टुंड्रा भारत में नहीं पाया जाता है; यह ध्रुवीय क्षेत्रों में पाई जाने वाली वनस्पति का एक प्रकार है।

11. बंगाल बाघ की जनसंख्या में गिरावट का मुख्य कारण है:

क) आवास विखंडन

ख) अधिक जनसंख्या

ग) अत्यधिक वर्षा

घ) उच्च तापमान

उत्तर: आवास विखंडन

स्पष्टीकरण: आवास विखंडन बंगाल बाघों की आबादी में गिरावट का एक प्रमुख कारण है, क्योंकि इससे उनके रहने की जगह और शिकार तक पहुंच कम हो जाती है।

12. निम्नलिखित में से कौन भारत में प्रमुख जैव विविधता हॉटस्पॉट है?

क) थार रेगिस्तान

ख) दक्कन का पठार

ग) पश्चिमी घाट

d) गंगा का मैदान

उत्तर: पश्चिमी घाट

व्याख्या: पश्चिमी घाट को स्थानिक प्रजातियों की उच्च मात्रा और महत्वपूर्ण संरक्षण मूल्य के कारण एक प्रमुख जैव विविधता हॉटस्पॉट के रूप में मान्यता प्राप्त है।

13. भारत में वन्यजीवों के संरक्षण के लिए कौन सा कानून प्रावधान करता है?

क) वन संरक्षण अधिनियम

ख) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम

ग) पर्यावरण संरक्षण अधिनियम

d) राष्ट्रीय वन नीति

उत्तर: वन्यजीव संरक्षण अधिनियम

व्याख्या: वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 भारत में वन्यजीवों और उनके आवासों को कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है।

14. भारत के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में किस प्रकार की वनस्पति पाई जाती है?

क) उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन

ख) मैंग्रोव वन

ग) कांटेदार जंगल

d) शीतोष्ण वन

उत्तर: कांटेदार जंगल

व्याख्या: कांटेदार वन शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों के विशिष्ट वन हैं, जिनमें सूखा प्रतिरोधी पौधे और विरल वनस्पति पाई जाती है।

15. वन्यजीव गलियारों का मुख्य उद्देश्य क्या है?

क) पर्यटन को बढ़ावा देना

ख) खंडित आवासों को जोड़ना

ग) कृषि पैदावार में सुधार करना

d) शहरी विकास को बढ़ावा देना

उत्तर: खंडित आवासों को जोड़ने के लिए

व्याख्या: वन्यजीव गलियारे खंडित आवासों को जोड़ने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिससे जानवरों को प्रवास करने और आनुवंशिक विविधता बनाए रखने की अनुमति मिलती है।

16. निम्नलिखित में से कौन सी मैंग्रोव वनों के सामने एक प्रमुख चुनौती है?

क) अतिचारण

ख) प्रदूषण

ग) मरुस्थलीकरण

घ) अत्यधिक वर्षा

उत्तर: प्रदूषण

व्याख्या: तेल रिसाव और रासायनिक अपवाह सहित प्रदूषण, मैंग्रोव वनों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है, जो उनके स्वास्थ्य और जैव विविधता को प्रभावित करता है।

17. प्रोजेक्ट एलीफेंट का प्राथमिक उद्देश्य है:

क) बाघों के आवासों का संरक्षण करना

ख) हाथियों की आबादी की रक्षा करना

ग) हिरणों की संख्या में वृद्धि

d) मैंग्रोव वनों को पुनर्स्थापित करना

उत्तर: हाथियों की आबादी की रक्षा करना

व्याख्या: प्रोजेक्ट एलीफेंट हाथियों की आबादी और उनके आवास के संरक्षण पर केंद्रित है।

18. कौन सा कारक प्राकृतिक वनस्पति के वितरण को प्रभावित नहीं करता है?

क) मिट्टी का प्रकार

ख) जलवायु

ग) ऊंचाई

घ) शहरीकरण

उत्तर: मिट्टी का प्रकार

व्याख्या: जबकि मिट्टी का प्रकार, जलवायु और ऊंचाई वनस्पति वितरण को प्रभावित करते हैं, शहरीकरण एक ऐसा कारक है जो आवास को नुकसान पहुंचाकर अप्रत्यक्ष रूप से वनस्पति को प्रभावित करता है।

19. हिमालय के उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में किस प्रकार का वन पाया जाता है?

क) उष्णकटिबंधीय वर्षावन

ख) कांटेदार जंगल

ग) अल्पाइन वन

d) मैंग्रोव वन

उत्तर: अल्पाइन वन

व्याख्या: अल्पाइन वन हिमालय के उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जिनकी विशेषता शंकुधारी पेड़ और झाड़ियाँ हैं।

20. किस पहल का उद्देश्य भारत में लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा करना है?

क) राष्ट्रीय जैव विविधता कार्य योजना

बी) ग्रीन इंडिया मिशन

c) प्रोजेक्ट टाइगर

d) स्वच्छ गंगा मिशन

उत्तर: प्रोजेक्ट टाइगर

व्याख्या: प्रोजेक्ट टाइगर का उद्देश्य विशेष रूप से बंगाल टाइगर जैसी लुप्तप्राय प्रजातियों की सुरक्षा और संरक्षण करना है।

21. निम्नलिखित में से कौन भारत में आवास क्षति का प्रमुख कारण है?

क) संरक्षण प्रयास

ख) कृषि विस्तार

ग) वन्यजीव संरक्षण कानून

घ) वन पुनर्जनन

उत्तर: कृषि विस्तार

व्याख्या: कृषि विस्तार आवास क्षति का एक प्रमुख कारण है, जिसके परिणामस्वरूप वनों की कटाई और प्राकृतिक आवासों का विखंडन होता है।

22. निम्नलिखित में से कौन सा क्षेत्र अपनी विशिष्ट जलवायु परिस्थितियों के कारण जैव विविधता के लिए जाना जाता है?

क) थार रेगिस्तान

ख) पश्चिमी घाट

ग) सिंधु-गंगा का मैदान

d) दक्कन का पठार

उत्तर: पश्चिमी घाट

व्याख्या: पश्चिमी घाट अपनी विशिष्ट जलवायु परिस्थितियों और विविध पारिस्थितिकी प्रणालियों के कारण उच्च जैव विविधता के लिए जाने जाते हैं।

23. हिमालय क्षेत्र में समशीतोष्ण वनों की प्राथमिक भूमिका क्या है?

क) तटीय संरक्षण

ख) जैव विविधता हॉटस्पॉट

ग) मृदा संरक्षण

घ) लकड़ी उत्पादन

उत्तर: मृदा संरक्षण

व्याख्या: हिमालयी क्षेत्र में शीतोष्ण वन मृदा संरक्षण और जैव विविधता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

24. कौन सा कानून भारत में वन्यजीव उत्पादों के व्यापार को नियंत्रित करता है?

क) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम

ख) वन संरक्षण अधिनियम

ग) पर्यावरण संरक्षण अधिनियम

d) राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम

उत्तर: वन्यजीव संरक्षण अधिनियम

व्याख्या: वन्यजीव संरक्षण अधिनियम वन्यजीव उत्पादों के व्यापार को नियंत्रित करता है, जिसका उद्देश्य अवैध शिकार और तस्करी को रोकना है।

25. निम्नलिखित में से कौन सा वन उच्च वर्षा और घनी वनस्पति की विशेषता है?

क) उष्णकटिबंधीय वर्षावन

ख) कांटेदार जंगल

ग) शीतोष्ण वन

घ) अल्पाइन वन

उत्तर: उष्णकटिबंधीय वर्षावन

व्याख्या: उष्णकटिबंधीय वर्षावनों की विशेषता उच्च वर्षा और घनी वनस्पति है, जो विविध प्रजातियों के लिए समृद्ध आवास प्रदान करते हैं।

**निम्नलिखित का नाम बताइए**

1. भारत में अपनी उच्च जैव विविधता और घने सदाबहार वृक्षों के लिए जाना जाने वाला वन।

उत्तर: उष्णकटिबंधीय वर्षावन

2. वह भारतीय राज्य जहां गिर वन राष्ट्रीय उद्यान स्थित है।

उत्तर: गुजरात

3. वन का वह प्रकार जो आमतौर पर विरल वनस्पति वाले शुष्क क्षेत्रों में पाया जाता है।

उत्तर: कांटेदार जंगल

4. बंगाल बाघ के संरक्षण के लिए 1973 में शुरू की गई पहल।

उत्तर: प्रोजेक्ट टाइगर

5. गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों के डेल्टा में स्थित मैंग्रोव वन।

उत्तर: सुंदरवन

6. हिमालय के उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पाई जाने वाली वनस्पति का प्रकार।

उत्तर: अल्पाइन वन

7. भारत में संरक्षित क्षेत्र जो एशियाई शेरों की आबादी के लिए जाना जाता है।

उत्तर: गिर वन

8. वन्यजीवों को संरक्षण प्रदान करने के लिए 1972 में यह अधिनियम पारित किया गया।

उत्तर: वन्यजीव संरक्षण अधिनियम

9. भारत का वह क्षेत्र जो अपने अद्वितीय तटीय मैंग्रोव वनों के लिए जाना जाता है।

उत्तर: सुंदरवन

10. हिमालय की तराई में पाए जाने वाले वन का प्रकार जो शंकुधारी वृक्षों से युक्त है।

उत्तर: शीतोष्ण वन

11. भारत में वन संरक्षण के लिए प्राथमिक कानून।

उत्तर: वन संरक्षण अधिनियम

12. उत्तराखंड में स्थित वन्यजीव अभयारण्य अपनी बाघ आबादी के लिए जाना जाता है।

उत्तर: जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान

13. यह शब्द उन वनों के लिए प्रयुक्त है जो वन्यजीव संरक्षण के लिए संरक्षित और आरक्षित हैं।

उत्तर: राष्ट्रीय उद्यान

14. पश्चिमी घाट में पाया जाने वाला वन का प्रकार, जो अपनी उच्च जैव विविधता के लिए जाना जाता है।

उत्तर: उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन

15. संरक्षण परियोजना भारत में हाथियों की सुरक्षा पर केंद्रित थी।

उत्तर: प्रोजेक्ट एलीफेंट

16. भारत के रेगिस्तानी क्षेत्रों में आमतौर पर पाई जाने वाली वनस्पति का प्रकार।

उत्तर: रेगिस्तानी वनस्पति

17. वह भारतीय राज्य जहां सुंदरवन मैंग्रोव वन स्थित है।

उत्तर: पश्चिम बंगाल

18. बंगाल बाघों की आबादी में गिरावट का मुख्य कारण।

उत्तर: आवास विनाश

19. तटीय क्षेत्रों के किनारे स्थित पारिस्थितिकी तंत्र, जिसमें खारे पानी और मैंग्रोव वनस्पति की विशेषता है।

उत्तर: मैंग्रोव वन

20. भारतीय पहल का उद्देश्य विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से पर्यावरण की स्थिति में सुधार करना है।

उत्तर: ग्रीन इंडिया मिशन

21. भारत में अपने अद्वितीय वनस्पतियों और जीवों के लिए जाना जाने वाला उच्च ऊंचाई वाला क्षेत्र।

उत्तर: हिमालय

22. विरल वनस्पति और कांटेदार झाड़ियों से युक्त वन का प्रकार।

उत्तर: कांटेदार जंगल

23. वह वन प्रकार जिसमें वार्षिक वर्षा अधिक होती है तथा वनस्पति सघन होती है।

उत्तर: उष्णकटिबंधीय वर्षावन

24. वह अधिनियम जो भारत में वन्यजीव व्यापार को नियंत्रित करता है और लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा करता है।

उत्तर: वन्यजीव संरक्षण अधिनियम

25. पश्चिमी घाट में विविध और समृद्ध वन पारिस्थितिकी तंत्र के लिए जाना जाने वाला भारतीय क्षेत्र।

उत्तर: पश्चिमी घाट

**एक शब्द में उत्तर दें**

1. उष्णकटिबंधीय वर्षावन

उत्तर: वर्षावन

2. गिर वन राष्ट्रीय उद्यान

उत्तर: गिर

3. कांटेदार जंगल

उत्तर: कांटा

4. प्रोजेक्ट टाइगर

उत्तर: बाघ

5. सुंदरवन

उत्तर: सुंदरवन

6. अल्पाइन वन

उत्तर: अल्पाइन

7. गिर वन

उत्तर: गिर

8. वन्यजीव संरक्षण अधिनियम

उत्तर: संरक्षण

9. सुंदरवन

उत्तर: सुंदरवन

10. शीतोष्ण वन

उत्तर: शीतोष्ण

11. वन संरक्षण अधिनियम

उत्तर: संरक्षण

12. जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान

उत्तर: कॉर्बेट

13. राष्ट्रीय उद्यान

उत्तर: पार्क

14. उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन

उत्तर: सदाबहार

15. प्रोजेक्ट एलीफेंट

उत्तर: हाथी

16. रेगिस्तानी वनस्पति

उत्तर: रेगिस्तान

17. पश्चिम बंगाल

उत्तर: बंगाल

18. आवास विनाश

उत्तर: विनाश

19. मैंग्रोव वन

उत्तर: मैंग्रोव

20. हरित भारत मिशन

उत्तर: हरा

21. हिमालय

उत्तर: हिमालय

22. काँटेदार जंगल

उत्तर: कांटा

23. उष्णकटिबंधीय वर्षावन

उत्तर: वर्षावन

24. वन्यजीव संरक्षण अधिनियम

उत्तर: वन्यजीव

25. पश्चिमी घाट

उत्तर: घाट